उत्पादकता बढ़ाने को आईआईटी बनाएगी विशेषज्ञ

संवाददाता, कानपुर

देश में उत्पादन क्षेत्र के लिए नेतृत्व विकसित करने का जिम्मा नगर के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) को सौंपा गया है। राष्ट्रपति डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम की पहल के बाद यहाँ एमटेक पाठ्यक्रम शुरू कर उत्पादकता बढ़ाने वाले विशेषज्ञ बनेंगे।

■ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में एमटेक पाठ्यक्रम

जानकारी के मुताबिक राष्ट्रपति कलाम ने अपने 'विजन 2020' में उत्पादकता क्षेत्र को विशिष्टता प्रदान करने की बात कही है। उनका जोर उत्पादकतो क्षेत्र में नेतृत्व विकसित करने पर है। आईआईटी निदेशक प्रो.संजय गोविंद धाण्डे के मुताबिक इसके लिए राष्ट्रीय उत्पादकता विकास परिषद भी गठित की गयी है। यह देखा गया है कि भारत में उत्पादन क्षेत्र में दूरदृष्टि वाले नेतृत्व की कमी है। इस कमी को पूरा करने के लिए विशेष पाठ्यक्रम की जरूरत महसूस की गयी। नगर के आईआईटी को यह जिम्मा सौंपा गया है। अब अगले सत्र से यहाँ 'विजनरी लीडरशिप इन मैन्यूफैक्चरिंग' विषय में एमटेक पाठ्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव किया गया। इसका उद्देश्य ऐसा नेतृत्व विकसित करना है जो उत्पादन क्षेत्र में नई इकाइयाँ स्थापित करने के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मुकाबला करने में सक्षम हैं। प्रो.धाण्डे ने बताया कि नगर से पहले ऐसा पाठ्यक्रम अमेरिका के ख्यातिलब्ध विश्वविद्यालय एमआईटी में चलता रहा है। इसीलिए इस पाठ्यक्रम से जुड़े रहे एमआईटी के प्रो.शोजी शिबा इसके नियोजन के लिए शुक्रवार को नगर प्रवास पर रहे। यहाँ उनके साथ आइआइएम कोलकाता के निदेशक प्रो. शेखर चौधरी के नेतृत्व में आई चार सदस्यीय विशेषज्ञों की टीम भी आई है। इसके अलावा आईआईटी चेन्नई के निदेशक प्रो.श्रीनिवासन भी इस अभियान से जुड़ने आए हैं। इन लोगो ने शुक्रवार को दिन भर कई चक्र बैठकें कर इस पाठ्यक्रम के स्वरूप को मूर्त रूप दिया। विशेषज्ञों का कहना था कि उत्पादन क्षेत्र में चीन लगातार भारत को चुनौती दे रहा है। ऐसे में इस दिशा में नेतृत्व करने वाले युवाओं को सामने लाकर विश्व स्तर पर स्थितियों में बदलाव लाया जा सकता है। नगर

एमआईटी के विशेषज्ञ की अगुवाई में आई टीम

■ आईआईएम कोलकाता के निदेशक का सहयोग

की आईआईटी में प्रस्तावित एमटेक करने वाले युवाओं को नवीनतम उत्पादन तकनीक से जोड़ने के साथ इस दिशा में नेतृत्व करना भी सिखाया जाएगा। इसके लिए प्रबंध विशेषज्ञता के जो 'माड्यूल' जोड़ने होंगे, उसमें आईआईएम कोलकाता का सहयोग लिया जाएगा।